पाठ 5. ऐसे थे पंडित रविशंकर

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य प्रसिद्ध सितारवादक स्व. पंडित रविशंकर के व्यक्तित्व से बच्चों को परिचित कराना है। इस पाठ द्वारा बच्चे जान पाएँगे कि सितार वाद्ययंत्र को विश्व पटल पर स्थान दिलवाने वाले पं. रविशंकर का जीवन कितना सादगी भरा था, उनका मधुर स्वभाव तथा धरातल से जुड़ा उनका व्यक्तित्व किस प्रकार उन्हें श्रेष्ठ बनाता था।

पाठ का सारांश

लेखिका सुनीता बुद्धिराजा पंडित रविशंकर से जुड़े संस्मरण का वर्णन कर रही हैं। वे बता रही हैं कि बचपन में उनका भाई और वह अपनी माँ के साथ संगीत समारोहों में जाया करते थे। एक बार कार्यक्रम समाप्त होने के बाद लेखिका की मुलाकात पंडित रविशंकर से होती है। प्रसिद्ध सितारवादक पंडित रविशंकर सरल स्वभाव के थे। लेखिका की माँ की गाड़ी बंद पड़ जाने पर वे उसमें धक्का भी लगाते हैं। पंडित रविशंकर सभी के साथ बड़ी आत्मीयता से मिलते थे। विशाखापतनम जाने से पहले पंडित रविशंकर जी ने लेखिका को दुशाला ओढ़ाकर सम्मानित किया था। लेखिका स्वयं को धन्य मानती हैं कि उन्हें पंडित रविशंकर जी का स्नेह मिला। लगभग बीस साल बाद भी पंडित जी लेखिका का चेहरा याद रखते हैं। लेखिका दुनिया से गर्व के साथ कहती हैं कि वह पंडित रविशंकर को सुन-सुनकर बड़ी हुई हैं। विश्व प्रसिद्ध सितारवादक पंडित रविशंकर का जीवन सादगी भरा था।

अध्यापन संकेत

पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से भी पाठ पढ़वाएँ। पाठ के महत्वपूर्ण अंश को समझाएँ। कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ। बच्चों को पंडित रविशंकर के व्यक्तित्व से परिचित करवाएँ। उन्हें बताएँ कि पंडित जी ने सितार वाद्ययंत्र को विदेशों तक पहुँचाया। जब भी सितार का नाम आता है तो सबसे पहले पंडित रविशंकर का नाम उभरकर आता है। सितार और पंडित रविशंकर एक-दूसरे के पूरक माने जाते हैं।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- बच्चों से पूछें, तुम्हें कौन-सा वाद्ययंत्र पसंद है? क्या तुम भी कोई वाद्ययंत्र बजाना जानते हो?
- 'सादा जीवन उच्च विचार' से तुम क्या समझते हो?
- सितारवादन के अलावा अन्य वाद्ययंत्रों के बारे में भी चर्चा करें। इन वाद्ययंत्रों से जुड़े विशिष्ट कलाकारों के नाम से भी बच्चों को परिचित कराएँ। जैसे – शहनाईवादन – उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ, तबलावादन – जाकिर हुसैन, बाँसुरीवादन – हरीप्रसाद चौरसिया।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।